P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-III, ISSUE-IV, May-2015
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0 एड0 प्रशिक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शिक्षण सक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन

पूनम मदान
प्राचार्या,
बी.एड. विभाग,
डॉ0 वी.एस.आई.पी.एस. महाविद्यालय,
किदवई नगर, कानपुर

ममता शुक्ला
विभागाध्यक्षा,
बी.एड. विभाग,
विवेका नन्द ग्रामोद्योग कालेज,
दिबियापुर, औरेया

सारांश

शिक्षा मूल रूप से व्यक्ति और समुदाय के विकास के लिए अत्यावश्यक है। यह न केवल व्यक्ति को इसके उच्चतम विकास के अवसर देती है, बल्कि समाज व राष्ट्र की प्रगति के मार्ग खोलती है। इस संदर्भ में शिक्षकों की भी महत्तम भूमिका है। शिक्षा का एक ज्वलंत पहलू शिक्षा व शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखना भी है। इसी संदर्भ में बी.एड. प्रशिक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का संरक्षण महत्वपूर्ण माना जा सकता है क्योंकि वे भावी पीढ़ी के निर्माता हैं। मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति की उस मनोस्थिति से होता है, जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों मे सामाजिक तथा व्यक्तिगत समायोजन करन में समर्थ होता है। मानसिक रूप से स्वस्थ छात्र स्वयं तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और इससे उसकी शिक्षण सक्षमता भी प्रभावित होती है। बी.एड. प्रशिक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का इनकी शिक्षण सक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन करने हेतु वित्तपोषित महाविद्यालयों के 180 (100 छात्राध्यापक एवं 80 छात्राध्यापिकाएं) बी.एड. प्रशिक्षुओं पर मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नावली व शिक्षा सक्षमता स्केल का प्रयोग करके उनके मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शिक्षण सक्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। शोध के परिणाम के आधार पर निष्कर्षता यह कहा जा सकता है कि वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी.एड. प्रशिक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य के विविध आयाम उनकी शिक्षण सक्षमता को प्रभावित करते हैं। यह परिणाम वस्तुतः वास्तविकता के निकट है।

मुख्य शब्दः वित्तपोषित महाविद्यालय बी.एड. प्रशिक्षु, मानसिक स्वास्थ्य व शिक्षण सक्षमता।

पस्तावना

शिक्षा मूल रूप से व्यक्ति व समुदाय के विकास के लिए अत्याव"यक है। यह न केवल व्यक्ति को इसके उच्चतम विकास के अवसर देती है बल्कि समाज व राष्ट् की प्रगति के मार्ग भी खोलती है। इस सन्दर्भ में शिक्षकों की भी महत्तम भूमिका है और इसलिए उन्हें भविष्य के संरक्षक व निर्माता की संज्ञा दी जाती है। शिक्षा का एक ज्वलंत पहलू शिक्षा व शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखना भी है। इसी संदर्भ में बी0 एड0 प्रशिक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का संरक्षण महत्वपूर्ण माना जा सकता है क्योंकि वे भावी पीढ़ी के निर्माता है। यदि वे ही मानसिक रूप से स्वस्थ नही होगे तो उनकी शिक्षण सक्षमता के प्रभावित होने से उनके विद्यार्थी उनसे वह अपेक्षित लक्ष्य नहीं प्राप्त कर पायेगे जिनकी उन्हें उनसे आ"ाा है।

व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मस्तिष्क का होना भी आव"यक है। मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति की उस मनोस्थिति से होता है जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में सामाजिक तथा व्यक्तिगत समायोजन करने में समर्थ होता है। मानसिक रूप से स्वस्थ छात्र स्वयं तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और इसमें उसकी शिक्षण सक्षमता भी प्रभावित होती है।

इसी प्रकार बी0 एड0 प्रशिक्षुओं की शिक्षण सक्षमता को प्रभावित करने वाले भी अनेक कारक है। एलसेवरन (1948) में अपने शोध में यह पाया कि सृजनात्मक प्रशिक्षुओं के शिक्षण सक्षमता अधिक होती है। राजमीनाक्षी (1988) ने अपने शोध में यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि छात्राध्यापिकाओं की शिक्षण सक्षमता डिग्री परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त प्रशिक्षुओं की शिक्षण सक्षमता तथा

सामाजिक आर्थिक स्तर परीक्षण में उच्च प्राप्तांक प्राप्त प्र"ाक्षुओं की "ाक्षण सक्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक थी।

पर्याप्त अध्ययन के उपरान्त यह पाया गया कि बी0 एड0 प्र"ाक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का "ाक्षण सक्षमता पर प्रभाव को जानने के लिए शोधकार्य नही हुए है अतः बी0 एड0 प्र"ाक्षुओं के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी "ाक्षण सक्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव को जानने हेतु यह शोध कार्य किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन में वित्तपोषित महाविद्यालयों का अर्थ उ0 प्र0 सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त "ाक्षक प्र"ाक्षण महाविद्यालयों से है। मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ उस अर्जित व्यवहार से है जिसमें वातावरण एवं समाज के साथ कारगर ढंग से निपटने एवं समायोजन करने की योग्यता से है। "ाक्षण सक्षमता "ाक्षण कौ"ालों का प्रभावी उपयोग है। प्रस्तुत शोध के "ाक्षण सक्षमता से तात्पर्य डा0 बी0 के पासी एव एम0 एस0 ललिता द्वारा निर्मित जनरल टीचिंग काम्पीटेन्सी स्केल पर प्र"ाक्षुओं द्वारा प्राप्त किये आंकड़े है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के बी0 एड0 छात्राध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी "ाक्षण सक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी "ाक्षण सक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं

1. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0 एड0 छात्राध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी "ाक्षण समस्या पर कोई सार्थक प्रभाव नही है।
2. वित्तपोषित महाविद्यालयों की बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी "ाक्षण समस्या पर कोई सार्थक प्रभाव नही है।

शोध विधि

शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया है।

न्यादश

शोध में यादृच्छिक न्याद"ान विधि का प्रयोग करते हुए कानपुर वि"वविद्यालय एवं उसके सहयुक्त वित्तपोषित "ाक्षक प्र"ाक्षण महाविद्यालयों में चार संस्थानों का चयन करके कुल 180 (100 छात्राध्यापक+80 छात्राध्यापिकाएं) बी0 एड0 प्र"ाक्षुओं का चयन किया गया।

प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में डॉ0 जगदी"ा व डॉ0 ए0 के श्रीवास्तव द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य प्र"नावली का प्रयोग किया गया जिसके 6 आयामों में से 4 आयाम जिन्हे "ाक्षण सक्षमता से सम्बोधित पाया गया के ऑकड़े एकत्र किये गये। बी0 एड0 प्र"ाक्षुओं की "ाक्षण सक्षमता के मापन हेतु डॉ0 बी0 के. प्रासंगिक डॉ0 एम0 एम0 ललिता द्वारा निर्मित जनरल टीचिंग काम्पीटेन्सी स्केल नामक प्रमापीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया। उपकरण की वि"वसनीयता इण्टर आब्जर्र विधि द्वारा 0.91 है जबकि इसकी अवयवात्मक वैधता 6.82 है।

प्रदत्त संकलन एवं प्रदत्त व्यवस्थापन्न

प्रदत्त संकलन के उपरान्त प्रदततों के वर्गीकरण में मानसिक स्वास्थ्य उपकरण के मैनुअल में दिये गये 4 आयामों पर प्राप्त मानकों के आधार पर चारों मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्रों के अधिक सक्षम एवं कम सक्षम बी0 एड0 प्र"ाक्षुओ के समूह, छात्राध्यापिकाओं व छात्राध्यापकों हेतु बनाए गये। तदुपरान्त मानसिक स्वास्थ्य के चारों आयामों के अधिक व कम सक्षम प्र"ाक्षुओं के समूहों को आधार मानकर उनके "ाक्षण सक्षमता प्राप्तांकों के मध्यमानों की तुलना छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं हेतु अलग–अलग की गयी।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ

प्रदत्तों के वि"लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन (S.D) एवं टी–परीक्षण का उपयोग किया गया।

विश्लेषण एवं विवेचना

मानसिक स्वास्थ्य के चारो आयामों के आधार पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर अधिक व कम सक्षम बी0 एड0 छात्राध्यापकों की "ाक्षण सक्षमता के मध्यमानों तथा उनके अन्तर की सार्थकता के विवरण को तालिका–1 में प्रद"ित किया गया है।

तालिका–1 बी0एड0 छात्राध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य के विविध आयामों का उनकी शिक्षण सक्षमता पर प्रभाव

क्र0सं0 निष्कर्ष	मानसिक स्वास्थ्य के आयाम	उत्तम मानसिक स्वास्थ्य समूह की शिक्षण सक्षमता			निम्न मानसिक स्वास्थ्य समूह की शिक्षण सक्षमता			df	t- मान	निष्कर्ष
		N	M	S.D.	N	M	S.D.			
1	सकारात्मक स्व. मूल्यांकन (PSE)	22	101.77	6.53	21	93.57	4.53	41	4.68	सार्थक*
2	वास्तविकता का प्रमापीकरण (PR)	22	101.77	6.53	21	93.57	4.53	41	4.68	सार्थक*
3	व्यक्तित्व का समाकलन (IP)	25	101.88	6.60	23	93.82	4.41	46	4.30	सार्थक*
4	स्वायत्तता (Autonmy)	22	101.77	6.53	23	93.82	4.41	43	4.64	सार्थक*

*0.01 स्तर पर

तालिका –1 के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि मानसिक स्वास्थ्य के आयाम में बी0 एड0 छात्राध्यापकों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य समूहों की "ाक्षण सक्षमता के मध्यमानों के मध्य अन्तर 0.01 स्तर पर सार्थक है। इसका तात्पर्य है कि उच्च मानसिक स्वास्थ्य छात्राध्यापक निम्न मानसिक स्वास्थ्य युक्त छात्राध्यापकों की अपेक्षा "ाक्षण में अधिक सक्षम है। यह उचित प्रतीत होता है क्योंकि एक मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अपने सभी काया को अधिक कु"ालता से सम्पन्न कर पाता है प्राप्त परिणाम के आधार

परहमारी पहली परिकल्पना अस्वीकृत की गई क्योंकि सामाजिक स्वास्थ्य के सभी आयामों पर ि"क्षण सक्षमता का अन्तर अर्थात ज–मान सार्थक पाया गया।

इसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों के आधार पर प्राप्तांकों के आधार पर अधिक व कम सक्षम बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं की ि"क्षण सक्षमता के मध्यमानों तथा उनके अन्तर को सार्थकता के विवरण को तालिका–2 में प्रद"र्ित किया गया है।

तालिका–2 बी.एड. छात्राध्यापिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों का उनकी शिक्षण सक्षमता पर प्रभाव

क्र0सं0 निष्कर्ष	मानसिक स्वास्थ्य के आयाम	उत्तम मानसिक स्वास्थ्य समूह की शिक्षण सक्षमता			निम्न मानसिक स्वास्थ्य समूह की शिक्षण सक्षमता			df	t- मान	निष्कर्ष
		N	M	S.D.	N	M	S.D.			
1	सकारात्मक स्व. मूल्यांकन (PSE)	23	104.43	7.26	24	96.70	4.26	45	4.34	सार्थक*
2	वास्तविकता का प्रमापीकरण (PR)	25	10.3.92	7.13	22	96.77	4.47	45	4.08	सार्थक*
3	व्यक्तित्व का समाकलन (IP)	21	104.28	7.61	20	96.40	4.50	39	3.96	सार्थक*
4	स्वायत्तता (Autonmy)	22	104.54	7.38	24	96.70	4.26	40	4.26	सार्थक*

*0.01 स्तर पर

तालिका–2 के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि मानसिक स्वास्थ्य के आयाम में बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य समूहों के ि"क्षण सक्षमता के मध्यामनों के मध्य–अन्तर 0.01 स्तर पर सार्थक है। इससे पता चलता है कि उच्च मानसिक स्वास्थ्य युक्त छात्राध्यापिकाये निम्न मानसिक स्वास्थ्य युक्त छात्राध्यापिकाओं की अपेक्षा ि"क्षण सक्षमता मे सार्थक रूप से उच्च है। इसका कारण उच्च मानसिक स्वास्थ्य युक्त छात्राध्यापिकाओं के अपने कार्यो को अपेक्षाकृत अधिक कु"ालता से सम्पन्न कर पाना है, ि"क्षण कार्य भी इसका अपवाद नही है। प्राप्त परिणाम के आधार पर बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों के उनकी ि"क्षण सक्षमता पर प्रभाव के सम्बन्ध में निर्मित परिकल्पनाएं भी अस्वीकृत की गयी क्योंकि इस संदर्भ में भी मानसिक स्वास्थ्य के सभी आयामों व ि"क्षण सक्षमता पर प्रभाव का मान साथक पाया गया।

परिणाम

शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं के सांख्यिकीय वि"लेषण के उपरान्त निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए–

1. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0 एड0 छात्राध्यापकों के सकारात्मक मूल्यांकन का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
2. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0एड0 छात्राध्यापकों के वास्तविकता का प्रत्ययीकरण का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
3. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0एड0 छात्राध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तित्व का समाकलन का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
4. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0एड0 छात्राध्यापकों की स्वायत्तता का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
5. वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0एड0 छात्राध्यापिकाओं के संस्थागत समायोजन का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
6. वित्तपोषित महाविद्यालयों की बी0एड0 छात्राध्यापिकाओं के सामाजिक–मनो–भौतिक समायोजन का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।
7. वित्तपोषित महाविद्यालयों की बी0 एड0 छात्राध्यापिकाओं के व्यवसायिक सम्बन्धगत समायोजन का उनकी ि"क्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

निष्कर्ष

प्राप्त शोध परिणामों के प्रका"ा में निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी0एड0 प्र"िक्षुओं का मानसिक स्वास्थ्य के विविध आयाम उनकी ि"क्षण सक्षमता को प्रभावित करते है। यह परिणाम वस्तुतः वास्तविकता के निकट है।

शैक्षिक उपादेयता

यह सर्वविदित है कि आज के बी0 एड0 प्र"िक्षु ही भावी ि"क्षक बनेंगें। वर्तमान परिवर्तन"ाील परिप्रेक्ष्य में इस शोध द्वारा प्राप्त परिणामों के उपयोग एवं बी0एड0 प्र"िक्षुओं के विभिन्न क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य को पुष्ट करके भारतीय प्रजातन्त्र की आव"यकता को तुष्ट करने एवं राष्ट् निर्माण म सक्षम ि"क्षकों की आपूर्ति सुनि"चित की जा सकती है। ि"क्षण सक्षमता युक्त एवं मानसिक स्वास्थ्य युक्त प्र"िक्षुओं का निर्माण कर भविष्य के राष्ट्निर्माताओं का निर्माण किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. LS' Verne, M.R. (1985), A study of Some of The Personality Components of Creative Student Teachers in Relation to Their Competency Towards Teaching; in Fourth Survey of Research In Education (1983–1988) Vol-II, NCERT, N.Delhi, P.957
2. Passi, B.K. & Lalitha, M.S. (1994), Manual for General Teaching Competency Scale, NPC Agra.
3. Raja meenakshi, P.K. (1988), Factors Affecting Teaching Competency of B.Ed. Trainees in Teachings Physical Science, in Fourth Survey of Research in Education (1983–1988) Vol-II, NCERT, N, Delhi,P.978.
4. Rao, R.B., (1986), A Study of Interrelationship of Values, Adjustment And teaching Attitude of Pupil Teachers at Various leavels of Socio-economic status, in Fourth Survey of Research in Education. (1983–1988), Vol-II, NCERT, N.Delhi, P.980.